Vishal
K.S.J. College

द० अमेरिका की संरचना एवं उच्चावच

- **संरचना** — द० अमेरिका गोण्डवानालैंड जुरैसिक काल का खण्डित विस्थापित भू-खण्ड है। 75% भाग (विशेषतः बेसिनों) पर परतदार, तो पठारों एवं एण्डिज में आग्नेय, परिवर्तित चट्टानें हैं।
प्री-कैम्ब्रियन से अभिनव काल तक की चट्टानें हैं। पू० ब्राजिल, पटागोनिया पठारों पर कैलिडोनियन, हर्सीनियन वलन हैं, तो प० तट पर टरशरी कालीन अल्पाइन भू-संचलन से निर्मित एण्डिज श्रेणी है। भूकम्प पेटी एण्डिज के सहारे हैं।

- **उच्चावच** — महाद्वीप के 50%, 26% एवं 24% पर क्रमशः मैदान, पठार तथा पर्वत हैं।
संरचनात्मक एवं भौतिक विभाग →
- → (A) **एण्डिज श्रेणी** → इस नवलित श्रेणी की उत्पत्ति टरशरी काल में अल्पाइन भू-संचलन द्वारा भू-अभिनति के तलछट में वलन से हुई है। यह प० तट पर उ० में त्रिनिडाड से द० में स्टेनली-कार्केट द्वीपों तक 7500 km लम्बी है। विश्व की इस सर्वाधिक लम्बी श्रेणी की चौ० 60-600 km है। औसत ऊ० 3000 m है। एन्कोहेमा (सर्वोच्च 7014 m), एकोंकागुआ (6960 m), चिम्बोरेजो (6267 m), कोटोपैक्सी (5896 m) आदि शिखर हैं। उस्पलाटा सर्वप्रमुख दर्रा है। प० ढाल तीव्र है। यहाँ कई समानान्तर श्रेणियाँ एवं अन्तरपर्वतीय पठार तथा घाटियाँ हैं।

- **उपविभाग** →
- (I) **उ० एण्डिज** → द० इक्वेडोर में सिरो-डि-पास्को की गाँठ से प० एवं पू० श्रेणियां निकलकर उ० में पाइटो

PAGE NO :
DATE :

गाँठ में मिल जाती है। दोनों के बीच इक्वेडोर पठार है। इस भाग में चिम्बोरेजो, कोटोपैक्सी ज्वालामुखी शिखर है।

(ii) कोलम्बिया में तीन श्रेणियाँ हैं — Cordillera Occidental, Real एवं Oriental।

(iii) वेनेजुएला में माराकाइबो झील के प० में सियरा-परीजा और पू० में सियरा मेरीडा श्रेणियाँ है।

• (II) मध्य एण्डिज → पेरू, बोलिविया में एण्डिज की चौ० सर्वा० अधिक है। यहाँ प० में तटीय श्रेणी है। सर्वोच्च मध्य श्रेणी के पूर्व में कार्डिलेरा ईकराबाय श्रेणी है। मध्य एवं पू० श्रेणियों के बीच बोलिविया पठार है। तीनों श्रेणियाँ उ० में विल्कानोटा गाँठ में मिल जाती है। इस क्षेत्र में पूपो नमकीन और टीटीकाका मीठे जल की झीलें है।

• (III) द० एण्डिज → चीली, अर्जेन्टाइना में एण्डिज अति खंडित है। तटीय श्रेणी उ० में 3660 m, तो द० में 450 m ऊँची है। मध्य श्रेणी उ० में 6400 m तो द० में 1500 m ऊँची है। चीली में तटीय एवं मध्य श्रेणी के मध्य उपजाऊ Longitudinal valley है।

— (B) पठार → ये प्राचीनतम भूखंड के अंग है। प्री-कैम्ब्रियन, ग्रेनाइट, नीस, शिस्ट आदि चट्टानें है। ये भू-संचलनों से प्रायः अप्रभावित रहे हैं।

• (I) गायना पठार (450-1800m) → ओरिनिको अमेजन नदियों के बीच यह जलविभाजक है। माउण्ट रोरैमा सर्वोच्च शिखर है। पाकारैमा, मूरा, तुमाक, इमाक आदि

पहाड़ियां है।

(II) ब्राजिल पठार → यह द० मे आमेजन एवं द० मे पराना-पराग्वे नदियों के बीच जल विभाजक है। सर्वोच्च (3000m) भाग पू० तट पर तीव्र कगार (cliff) के रूप में है। पूर्व मे कैलिडोनियन एवं प० मे हर्सिनियन श्रेणियाँ है।

(III) पटागोनिया पठार (300-400m) → अर्जेन्टाइना मे नीग्रो नदी के द० एवं एण्डिज के पूर्व मे यह मरुस्थलीय पठार है।

(C) नदी बेसिन →

(I) ओरिनिको बेसिन (वेनेजुएला) → एण्डिज श्रेणी एवं गायना पठार के बीच द०प० से उ० पू० फैली है। ऊँ० 200-300m है। ल० 1000 Km, चौ० 300 Km है। मुहाना संकीर्ण है।

(II) आमेजन बेसिन (ब्राजिल) → प० के एण्डिज से पू० मे अटलांटिक तट तक प०-पू० फैली यह विश्व की सबसे लम्बी (3600 Km) नदी-बेसिन है। चौ० 300 Km, ऊँ० 100-300 m है। यहाँ सदाबहार Selvas वन है।

(III) पराना-पराग्वे बेसिन → प० मे एण्डिज, उ० एवं पू० मे ब्राजिल पठार से घिरी पराना-पराग्वे, उरुग्वे नदियों की कप बेसिन की औसत ऊ० 120 m है। ग्रानचाको दलदली मैदान (पराना-पराग्वे की ऊपरी घाटियां), पम्पास एवं मेसोपोटामिया मैदान (पराना-युरुग्वे का दोआब) आदि इसी के उपखंड है।

(IV) तटीय मैदान → महाद्वीप मे 10.59% (20 लाख Km^2) पर है। एण्डिज के प०, ब्राजिल पठार के पू० एवं पटागोनिया पठार के पू० मे अति संकीर्ण है। माराकाइबो झील, ओरिनिको, आमेजन नदियों के मुहानो तथा पम्पास मैदान

Scanned with CamScanner

के समीप स्थित है।
इस प्रकार द० अमेरिका भौगर्भिक एवं भू-आकृतिक म्यूजियम है।

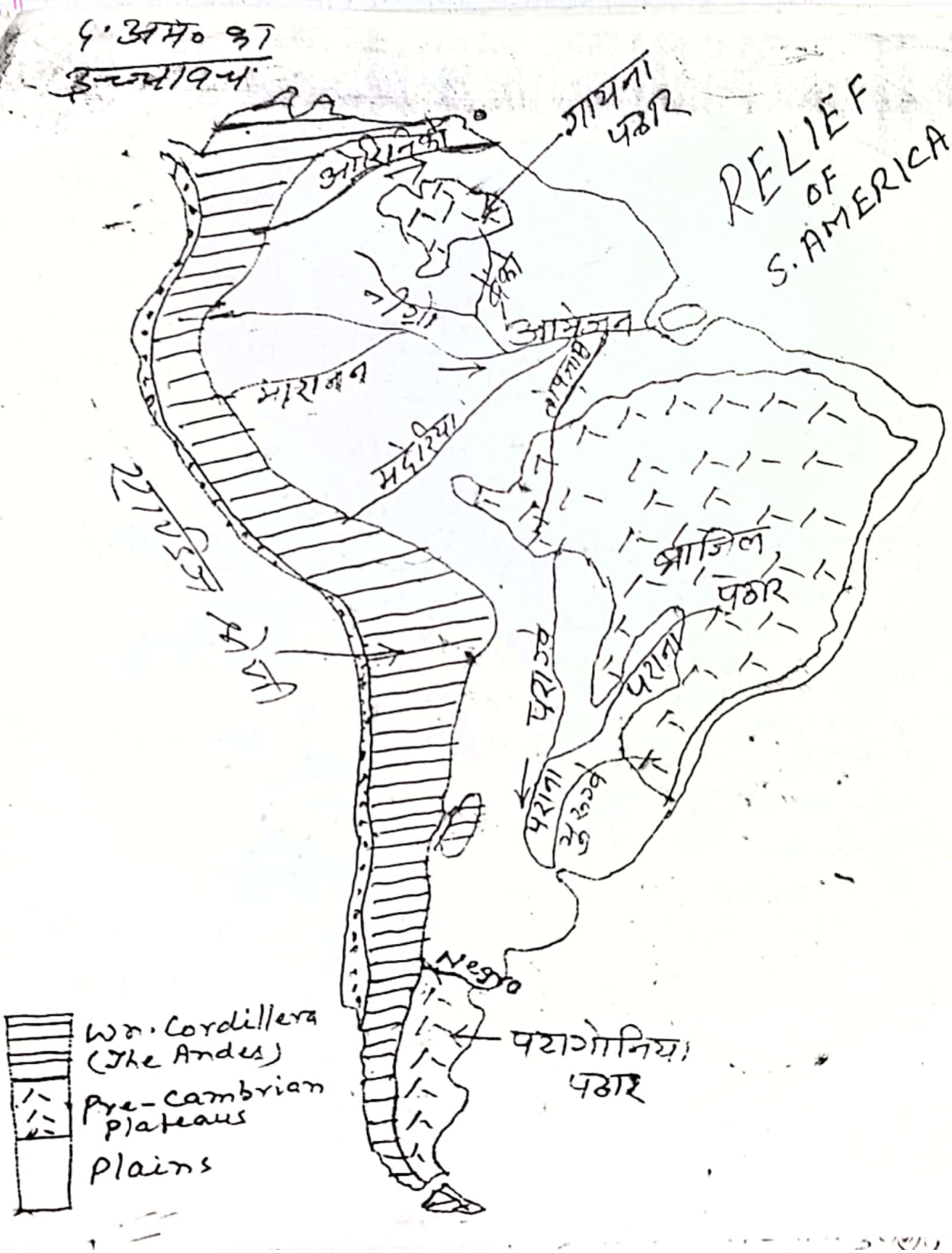

Scanned with CamScanner